मुझे बताइए कि चैंपियनशिप जीतने के लिए क्या महत्वपूर्ण है नाम या फॉर्म। यदि रोहित या विराट ने इस तरह का प्रदर्शन (लगातार चार मैचों में अर्धशतक) किया होता तो क्या तब भी आप यह कहते कि उनकी जगह केएल राहुल को लिया जाना चाहिए। - **गौतम गंभीर**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विश्वकप टीम में ईशान किशन को शामिल करने की मांग करते हुए।

आज का खिलाड़ी

आर. प्रज्ञानानंद

भारत की नवीनतम शतरंज सनसनी आर प्रज्ञानानंद विश्व कप के फाइनल में मैग्नस कार्लसन से हार गये लेकिन इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा कि नॉर्वे के पांच बार का विश्व चैंपियन को हराना मुश्किल है लेकिन वह 'अजेय' नहीं है। आर प्रज्ञानानंदा पिछले महीने विश्व कप उपविजेता बनने वाले 18 साल के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। अपने अभियान के दौरान, उन्होंने आठ-खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी अपनी जगह पक्की कर ली, जो 2024 में शतरंज में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के लिए चुनौती का निर्धारण करेगा।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो-डी-जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

बाएज का विजय रथ रोक आगे बढ़े मेदवेदेव, अल्काराज, ज्वेरेव भी जीते

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर। रूस के दानिल मेदवेदेव ने अर्जेंटीना के सेबैस्टियन बाएज़ का विजय रथ रोकते हुए उन्हें अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में करारी शिकस्त दी। बाएज़ पिछले 12 मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में आ रहे थे लेकिन पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने शनिवार को उन्हें 6-2, 6-1 7-6(6) से हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। शुरुआती दो सेट एकतरफा रूप से जीतने के बाद मेदवेदेव को तीसरे सेट में बाएज़ से कड़ी टक्कर मिली। बाएज़ ने मेदवेदेव के फोरहैंड का मज़बूती से जवाब देते हुए तीसरे सेट में 5-2 की बढ़त बना ली लेकिन इसके बाद बारिश ने मैच में खलल डाल दिया। मेदवेदेव ने खेल दोबारा शुरू होने के बाद वापसी करते हुए 4-5 पर सर्विस हासिल की। बाएज़ के लिये लगातार अप्रत्याशित गलतियां करना भारी पड़ा और वह टाईब्रेकर में 6/6 पर गलती करके मुकाबला हार गये। मेदवेदेव ने जीत के बाद कहा, "मुझे ऐसा लगा कि हम दोनों अच्छा खेल रहे थे, यहां तक कि पहले दो सेटों में भी। मैं सही मौकों पर थोड़ा बेहतर खेला, सब कुछ मेरे हिसाब से हो रहा था। थोड़ा भाग्य का भी साथ रहा और मेरे अच्छे खेल ने भी मुझे सेट में बनाए रखा।" अगले दौर में मेदवेदेव का सामना ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से होगा। इस बीच, रूस के आंद्रे रुबलेव, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज़्वेरेव और स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टरफाइनल में कदम रखा। रुबलेव ने फ्रांस के आर्थर रिंडरनेक को 3-6, 6-3, 6-1, 7-5 से हराया। गत चैंपियन अल्काराज़ ने ब्रिटेन के डैन इवान्स को 6-2, 6-3, 4-6, 6-3 से मात दी। ज़्वेरेव ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-7(2), 7-6(8), 6-1, 6-1 से मात दी।

नजम सेठी ने एशिया कप के कार्यक्रम पर सवाल उठाए

पाल्लेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने पाल्लेकल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के बारिश की भेंट चढ़ने के बाद एशिया कप के कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि यूएई में खेलने के उनके सुझाव को ठुकरा दिया गया और श्रीलंका में टूर्नामेंट के आयोजन के लिए बेकार के तर्क दिए गए। पिछले साल रमीज राजा को पीसीबी अध्यक्ष के रूप में बर्खास्त किए जाने के बाद अंतरिम तौर पर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने वाले सेठी ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के बारिश की भेंट चढ़ने के बाद नाराजगी जाहिर की। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) पर निशाना साधते हुए सेठी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, "कितना निराशाजनक। बारिश ने क्रिकेट के सबसे बड़े मुकाबले में खलल डाला। लेकिन भविष्यवाणी भी यही की गई थी। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में मैंने एसीसी से यूएई में खेलने का आग्रह किया था लेकिन श्रीलंका में आयोजन के लिए बेकार के तर्क दिए गए।" उन्होंने लिखा, "उन्होंने कहा कि दुबई में बेहद गर्मी होगी। लेकिन पिछली बार सितंबर 2022 में जब एशिया कप वहां खेला गया तब भी उतनी ही गर्मी थी या जब अप्रैल 2014 और सितंबर 2020 में आईपीएल वहां खेला गया। खेल पर राजनीति। अक्षम्य।" श्रीलंका को सह मेजबान के रूप में शामिल किया गया क्योंकि भारत ने भू-राजनैतिक तनाव के कारण एशिया कप के अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद टूर्नामेंट के आयोजन के हाईब्रिड मॉडल को अपनाया गया और अब पाकिस्तान और श्रीलंका में मुकाबले आयोजित हो रहे हैं। हाईब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान में चार जबकि बाकी मुकाबले श्रीलंका में होने हैं। पिछले साल एशिया कप का आयोजन यूएई में लगभग इसी समय किया गया था। लेकिन तब यह टी20 प्रारूप में खेला गया था और मुकाबले शाम को हुए थे। शनिवार को हुए एशिया कप के मुकाबले में सिर्फ एक पारी हो गई जिसमें भारतीय टीम 48.5 ओवर में 266 रन पर आउट हो गई। भारतीय पारी के दौरान भी बारिश के कारण खेल रुका और टॉस में भी विलंब हुआ था।

तीसरा टी-20 पांच विकेट से जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज क्लीन स्वीप की

डर्बन, 3 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया ने शॉन ऐबट (31/4) की घातक गेंदबाजी और ट्राविस हेड (48 गेंद, 91 रन) की धुआंधार बल्लेबाजी की बदौलत रविवार को तीसरे टी20 में मेज़बान दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की शृंखला 3-0 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 20 ओवर में 191 रन का लक्ष्य रखा, जिसे मेहमान टीम ने 13 गेंद रहते हुए हासिल कर लिया। टेम्बा बावूमा और मैथ्यू ब्रीट्ज़्क के छोटे स्कोर पर आउट होने के बावजूद रीज़ा हेन्ड्रिक्स ने 30 गेंद पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ 42 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को अच्छी शुरुआत दी। कप्तान मार्करम (23 गेंद, 41 रन) ने हेंड्रिक्स के साथ तीसरे विकेट के लिये 58 रन की साझेदारी कर प्रोटियाज़ की पारी को संभाला, हालांकि ऐबट ने मार्करम को पवेलियन भेजकर यह साझेदारी तोड़ दी। तनवीर संघा की गेंद पर हेंड्रिक्स का विकेट गिरने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका अच्छी स्थिति में लग रही थी, लेकिन ऐबट ने 14वें ओवर में बिना कोई रन दिये दो विकेट लेकर मेज़बान टीम को 122/6 के स्कोर पर संघर्ष करता हुआ छोड़ दिया। अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज डॉनोवन फरेरा ने इस समय 21 गेंद पर एक चौके और पांच छक्कों के साथ 48 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 190 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में मदद की।

बांग्लादेश ने अफगानों को धूल चटाई

लाहौर, 3 सितंबर। मेहदी हसन मिराज़ (112) और नजमुल हुसैन शान्तो (104) के शानदार शतकों के बाद तस्कीन अहमद (44/4) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने रविवार को एशिया कप के करो या मरो ग्रुप-बी मुकाबले में अफगानिस्तान को 89 रन से पीट दिया।

बंगलादेश ने मिराज़ और शान्तो के शतकों की बदौलत 50 ओवर में 334 रन का स्कोर खड़ा किया। तस्कीन और शोरिफुल इस्लाम (36/3) की गेंदबाजी के आगे अफगानिस्तान की पूरी टीम 44.3 ओवर में 245 रन पर ऑलआउट हो गयी। इब्राहिम ज़ादरान ने अफगानिस्तान के लिये 74 गेंद पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर 75 रन बनाये लेकिन उनकी यह जुझारू कोशिश अफगानों को विजयी बनाने के लिये नाकाफी साबित हुई। पहले मैच में श्रीलंका के हाथों हारने के बाद बंगलादेश ने इस जीत के साथ सुपर-चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। अगर मेजबान श्रीलंकाई टीम मंगलवार को अफगानिस्तान पर विजय पा लेती है तो वह बंगलादेश के साथ सुपर-चार में प्रवेश करेगी।

लाहौर की गर्मी में बंगलादेश ने अफगानिस्तान के विरुद्ध टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और मिराज़ ने मोहम्मद नईम के साथ मिलकर पहले ओवर से ही मोर्चा संभाल लिया। मिराज़-नईम ने पहले विकेट के लिये 10 ओवर में 60 रन की साझेदारी की, हालांकि अफगानिस्तान ने चार गेंद के अंदर दो विकेट गिराकर मैच में वापसी की। मुजीब उर रहमान ने नईम (32 गेंद, 28 रन) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, जबकि गुलबदिन नाइब ने तौहीद हृदोय को शून्य रन पर पवेलियन भेज दिया।

नईम और हृदोय के विकेट हालांकि बंगलादेश को बैकफुट पर नहीं धकेल सके। मिराज़ और शान्तो ने इसके बाद अपने-अपने शतक पूरे करते हुए 195 रन की विशाल साझेदारी कर डाली। मिराज़ 119 गेंद पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गये, जबकि शान्तो ने 45वें ओवर में रनआउट होने से पहले 105 गेंद पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 104 रन बनाये। मुशफिकुर रहीम (15 गेंद, 25 रन) और शाकिब अल हसन (18 गेंद, नाबाद 32 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ बंगलादेशी पारी को मज़बूत अंत दिया। शमीम हुसैन ने छह गेंद पर एक छक्के के साथ 11 रन बनाये। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब ने 10 ओवर में 62 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि नाइब ने आठ ओवर में 58 रन देकर एक सफलता हासिल की। फज़लहक़ फारूक़ी छह ओवर में 53 रन देकर अफगान टीम के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

नेपाल पर बड़ी जीत से सुपर चार में जगह बनाने उतरेगा भारत

पालेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। पाकिस्तान के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद भारत का सामना सोमवार को यहां नेपाल से होगा जिसमें रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम बड़ी जीत दर्ज करके एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार में अपनी जगह पक्की करने के लिए उतरेगी। पाकिस्तान ग्रुप ए से पहले ही सुपर चार में जगह बना चुका है। उसके दो मैचों में तीन अंक हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने से भारत का एक अंक है। यदि सोमवार को होने वाला मैच भी बारिश की भेंट चढ़ जाता है तो भारत दो अंकों के साथ सुपर चार में पहुंच जाएगा लेकिन रोहित शर्मा और उनके साथी निश्चित तौर पर इस तरह से आगे नहीं बढ़ना चाहेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारत के लिए कुछ सकारात्मक पहलू रहे, जिन्हें वह टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखना चाहेगा। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ने भारत का शीर्ष क्रम थर्राकर एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 66 रन कर दिया था। लेकिन अपने वनडे करियर में पहली बार पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने पांचवें विकेट के लिए 138 रन जोड़कर भारत का स्कोर 266 रन तक पहुंचाया। किशन ने विशेषकर प्रभावशाली बल्लेबाजी की और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चलने के बाद एक छोर संभाले रखा। किशन पांचवें नंबर पर चल पाएंगे या नहीं, इसको लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा था लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार रक्षात्मक और आक्रामक खेल का सुंदर नजारा पेश करके साबित किया कि वह मध्यक्रम में भी सफल हो सकते हैं। नेपाल का गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान की तरह मजबूत नहीं है और ऐसे में किशन आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपने नाम के आगे कुछ रन जोड़ना चाहेंगे। इसी तरह से पंड्या की अर्धशतकीय पारी से टीम प्रबंधन खुश होगा। उन्होंने पहले किशन के सहयोगी की भूमिका बखूबी निभाई और बाद में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने भारत के चोटी के चार बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर नहीं चल पाए और टीम प्रबंधन चाहेगा कि यह चारों बल्लेबाज जल्द से जल्द खुद को वनडे क्रिकेट के अनुकूल ढाल दें। रोहित और कोहली को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में विश्राम दिया गया था जबकि अय्यर चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों के पास नेपाल के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने का मौका होगा। भारत को हालांकि यह निराशा होगी उसके गेंदबाजों को पाकिस्तान के बल्लेबाजों के सामने अपना कौशल दिखाने का मौका नहीं मिला। टीम प्रबंधन यह देखने के लिए बेताब होगा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 10 ओवर करने और 50 ओवर तक क्षेत्ररक्षण करने में किस हद तक सक्षम हैं। नेपाल टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान से 238 रन से हार गया था और उसका लक्ष्य अब भारत के सामने कुछ चुनौती पेश करने का होगा। उसकी उम्मीदें लेग स्पिनर संदीप लामिछाने और कप्तान रोहित पौडेल पर टिकी होंगी। टीम इस प्रकार हैं: भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, इशान किशन, हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन (रिजर्व)। नेपाल: रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, भीम शर्की, कुशल मल्ला, आरिफ शेख, दीपेंद्र सिंह ऐरी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, प्रतीश जीसी, मौसम ढकाल, संदीप जोरा , किशोर महतो, अर्जुन साउद. मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद तीन बजे शुरू होगा।

मुंबई लौटे बुमराह, नेपाल के खिलाफ नहीं खेलेंगे

पाल्लेकेले, 3 सितंबर। भारत के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से स्वदेश लौट आये हैं और नेपाल के खिलाफ सोमवार को होने वाले एशिया कप मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया, "वे (भारत) जसप्रीत बुमराह के बिना होंगे, जो सिर्फ एक मैच के लिये व्यक्तिगत कारणों से घर लौट आए हैं।" बुमराह हालांकि पूरी तरह फिट हैं और अगर भारत सुपर-चार चरण में जगह बनाता है तो वह मैदान पर उतरेंगे। बारिश के कारण पाकिस्तान के खिलाफ भारत के पहले एशिया कप मुकाबले में सिर्फ एक ही पारी हो सकी थी और बुमराह को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला था। नेपाल के विरुद्ध बुमराह की जगह मोहम्मद शमी को मौका दिया जा सकता है।

ईस्ट बंगाल पर रोमांचक जीत के साथ मोहन बागान ने जीता डूरंड कप

कोलकाता, 3 सितंबर। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने दिमित्री पेट्राटोस के निर्णायक गोल के दम पर रोमांच से भरे डूरंड कप 2023 फाइनल में रविवार को ईस्ट बंगाल एफसी को 1-0 से हराकर 17वीं बार यह खिताब जीत लिया।

सॉल्ट लेक स्टेडियम पर खेली गयी डर्बी में पेट्राटोस ने 71वें मिनट में विजेता टीम का गोल किया। इस जीत के साथ मोहन बागान 17 बार डूरंड कप खिताब हासिल करने वाली पहली टीम बन गयी। ईस्ट बंगाल 16 ट्रॉफियों के साथ इस टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल टीम है।मोहन बागान ने पिछली बार सन् 2000 में यह खिताब जीता था। टीम 2004, 2009 और 2019 में भी फाइनल में पहुंची लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा सकी थी। दो दशक बाद डूरंड कप चैंपियन बनने का सपना लेकर उतरे मोहन बागान ने पहले हाफ में गेंद पर अधिक कब्ज़ा रखा लेकिन क्लब खाता नहीं खोल सका। ईस्ट बंगाल ने धीरे-धीरे लय हासिल की और पहले हाफ के अंत में गोल करने के करीब भी आया। मोहम्मद रकीप और बोर्जा हरेरा ने ईस्ट बंगाल के लिये एक मौका बनाया लेकिन नंदकुमार शेखर गोल पर सटीक निशाना नहीं लगा सके। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में मोहन बागान के पास भी एक मौका था लेकिन दिमित्री पेत्रातोस का प्रयास ईस्ट बंगाल के गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया।

मोहन बागान ने पहले हाफ की समाप्ति 0-0 पर की, लेकिन ब्रेक से कुछ समय पहले तीन येलो कार्ड मिलने से उसे परेशानी हुई। मोहन बागान की मुश्किलें तब बढ़ गईं जब 62वें मिनट में अनिरुद्ध थापा को लाल कार्ड देखकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। मोहन बागान के लिये सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना मुश्किल हो सकता था लेकिन थापा की गैर-मौजूदगी में टीम अधिक खतरनाक लगने लगी। पेत्रातोस ने नौ मिनट के अंदर बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार किक मारकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया। यह पूरे मैच में मोहन बागान का एकमात्र सटीक निशाना था, लेकिन यह उन्हें जीत दिलाने के लिये काफी था।

ईस्ट बंगाल ने गोल पर छह शॉट लगाये लेकिन गोलपोस्ट के करीब फिनिशिंग की कमी उनके लिये महंगी साबित हुई। दूसरे हाफ में 10 मिनट का अतिरिक्त समय मिलने के बावजूद ईस्ट बंगाल का खाता नहीं खुला और पूरे टूर्नामेंट में अविजित रही टीम फाइनल में आकर हार गयी।डूरंड कप 2023 तीन अगस्त को शुरू हुआ था। टूर्नामेंट के 132वें संस्करण में 24 टीमों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल की तुलना में चार अधिक है।

हरमनप्रीत डब्ल्यूबीबीएल विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चयनित होने वाली इकलौती भारतीय

मेलबर्न, 3 सितंबर। हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय है। भारतीय महिला टीम की इस कप्तान को रविवार को यहां मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में बरकरार रखा। यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित कुल 18 भारतीय खिलाड़ियों का नाम डब्ल्यूबीबीएल के शुरूआती विदेशी ड्राफ्ट में शामिल था, लेकिन हरमनप्रीत के अलावा किसी को भी नहीं चुना गया।

हरमनप्रीत का नाम 'प्लैटिनम' श्रेणी में था। रेनेगेड्स की टीम उन्हें और वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज को अपने साथ बरकरार रखने में सफल रही। हरमनप्रीत ने 2021-22 सत्र के दौरान रेनेगेड्स के लिए दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 पारियों में 58.00 की औसत और 130.96 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए थे, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 81 रन था। वह बल्ले के साथ गेंद से भी प्रभावी रहीं और उन्होंने 15 विकेट लिए। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर तीन विकेट रहा। हरमनप्रीत ने 2016-17 में सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल में पदार्पण किया था। हरमनप्रीत के रिटेंशन (टीम में बरकरार रखने) पर रेनेगेड्स के मुख्य कोच साइमन हेल्मोट ने कहा, " मुझे बहुत खुशी है कि हमें वे दोनों (हरमनप्रीत और हेले) मिलीं और मैं इस साल फिर से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।"

उन्होंने कहा, " पहले दौर में हम हरमनप्रीत और हेले में से एक का ही चयन कर सकते थे लेकिन हमारी किस्मत अच्छी थी कि हरमनप्रीत दूसरे दौर में चयन के लिए उपलब्ध थी। हरमनप्रीत की घरेलू फ्रेंचाइजी टी20 टीमों की लंबी सूची में लंकाशर थंडर, सुपरनोवाज, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और ट्रेंट रॉकेट्स (द हंड्रेड) और मुंबई इंडियंस (महिला प्रीमियर लीग) शामिल हैं। डब्ल्यूबीबीएल के लिए विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में हरलीन देयोल, हर्ले गाला, ऋचा घोष, मन्नत कश्यप, अमनजोत कौर, वेदा कृष्णमूर्ति, शिखा पांडे, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, मेघना सब्बीनेनी, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर और राधा यादव जैसे भारतीय खिलाड़ी भी शामिल थे।

सपाट पिचों पर पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी तिकड़ी अधिक प्रभावी : दिनेश कार्तिक

पाल्लेकल (श्रीलंका), 3 सितंबर। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को लगता है कि पाकिस्तान और भारत के तेज गेंदबाज बराबरी पर हैं लेकिन शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह की तिकड़ी सपाट पिचों पर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी की तिकड़ी से अधिक प्रभावी हैं क्योंकि वे अधिक गति हासिल कर सकते हैं। पाकिस्तान के इन तीनों तेज गेंदबाजों ने शनिवार को यहां एशिया कप मैच में भारत के सभी 10 विकेट चटकाए जिससे टीम 48.5 ओवर में 266 रन पर सिमट गई। हालांकि, लगातार बारिश के कारण मैच रद्द कर दिया गया। शाहीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 35 रन देकर चार विकेट चटकाए जबकि राउफ और नसीम ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। कार्तिक ने उनकी सफलता का मुख्य कारण तीनों पाकिस्तानी गेंदबाजों के पिच से हासिल किए गए उछाल और विविधता को दिया। कार्तिक ने 'क्रिकबज' से कहा, "शाहीन, हारिस राउफ और नसीम लगातार 90 मील प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं और तीनों बहुत अलग हैं। शाहीन शाह, जाहिर तौर पर बाएं हाथ से कोण से गेंद को वापस अंदर लाते हैं, नसीम शाह गेंद को दोनों तरफ घुमाते हैं।" उन्होंने कहा, "अपनी स्किड और शानदार बाउंसर के कारण हैरिस इस समय पारी के अंत में निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है।" कार्तिक ने कहा, "मेरे लिए वे (पाकिस्तानी गेंदबाज) सपाट विकेटों पर कहीं अधिक प्रभावी आक्रमण हैं। अगर पिच में कुछ मदद है तो दोनों आक्रमण (भारत और पाकिस्तान) हर समय बहुत समान हो जाते हैं।" भारतीय क्रिकेटर ने यह भी कहा कि बुमराह, सिराज और शमी शायद पाकिस्तानी गेंदबाजों की तुलना में कम उछाल हासिल करेंगे।

बीसीसीआई की एजीएम 25 सितंबर को, पद पर बने रहेंगे सभी पदाधिकारी

मुंबई, 3 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सभी पदाधिकारी अपने पदों पर बने रहेंगे क्योंकि देश में क्रिकेट की संचालन संस्था एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले 25 सितंबर को गोवा में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन करेगी। बीसीसीआई की पिछली एजीएम 22 अक्टूबर 2022 को होगी। इस साल 27 मई को विशेष आम सभा (एसजीएम) का आयोजन किया गया था। एजीएम के एजेंडा में पहला बिंदू बैठक में लिए फैसलों को अंतिम रूप देना है। आगामी बैठक के एजेंडे में कुल 18 बिंदु हैं जिसमें लोकपाल और आचरण अधिकारी की नियुक्ति के साथ-साथ पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देना भी शामिल है। इसके अलावा एजेंडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति, क्रिकेट समितियों, स्थायी समितियों और अंपायर समिति की नियुक्तियां भी शामिल हैं। बीसीसीआई एजीएम में आम सभा के दो प्रतिनिधियों का चुनाव और उन्हें शामिल किया जाएगा।

गुकेश भारत का शीर्ष खिलाड़ी बनने के बाद अपने खेल में और सुधार करना चाहते है

कोलकाता, 3 सितंबर। अपने आदर्श विश्वनाथ आनंद को पछाड़कर भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने डी गुकेश ने कहा कि वह अपने खेल में सुधार को निरंतर जारी रखना चाहते हैं। सत्रह साल के गुकेश ने फिडे विश्व रैंकिंग में आनंद की 37 साल की भारतीय बादशाहत खत्म की। वह एक सितंबर को जारी रैंकिंग में आनंद पर चार अंक की बढ़त से 2754 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गये। आनंद नौवें पायदान पर हैं।

एशियाई खेलों के शिविर और एक आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए यहां आए गुकेश ने शनिवार को कहा कि वह हाल ही में विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हारने की निराशा से उबर चुके हैं। गुकेश ने विशेष साक्षात्कार में इस बारे में पूछे जाने पर कहा, "यह (नुकसान) कुछ समय पहले ही हो चुका है। अब आगे कुछ चीजें हैं और मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।" गुकेश के पास अभी कोई प्रायोजक नहीं है और अपने खेल को जारी रखने के लिए पुरस्कार राशि और 'क्राउड-फंडिंग' की मदद लेते हैं।

गुकेश ने कहा कि वह 2021 में वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी से जुड़े और इसके बाद से इस संस्था ने उनकी सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, " (विश्वनाथन) आनंद सर ने मुझे बधाई दी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्होंने मेरे करियर में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। वह मेरे सबसे बड़े नायक और आदर्श हैं। मुझे उम्मीद है कि वह मेरी उपलब्धि से खुश होंगे।" उन्होंने भारत के शीर्ष खिलाड़ी बनने के बारे में पूछे जाने पर कहा, " यह अच्छा एहसास है। यह शानदार उपलब्धि है और मैं इससे खुश हूं।"

नार्वे के दिग्गज कार्लसन के बाद 2750 ईएलओ रेटिंग हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के शतरंज खिलाड़ी बने गुकेश ने कहा, " मेरे प्रशिक्षकों और डब्ल्यूएसीए (वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी) ने मुझे इसके लिए तैयार करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।" हाल ही में बाकू में हुए शतरंज विश्व कप में भारत के चार खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जिसमें से 18 साल के आर प्रज्ञानानंदा टूर्नामेंट के उपविजेता बन कर उभरे। प्रज्ञानानंदा ने सबसे कम उम्र में विश्व कप का उपविजेता बनने के साथ कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। कैंडिडेट टूर्नामेंट के विजेता को मौजूदा विश्व चैम्पिनशप खिताब के लिए डिंग लिरेन को चुनौती देने का मौका मिलेगा। कैंडिडेट टूर्नामेंट में अभी चार और स्थान बाकी हैं। इस साल अक्टूबर-नवंबर में आइल ऑफ मैन में फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट 2023 से कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए दो स्थान पक्के होंगे।

इसके अलावा ' फिडे सर्किट विजेता' और 'बेस्ट बाय रेटिंग' को एक-एक स्थान दिया जाएगा। 'फिडे सर्किट' टेनिस में टूर अंक के समान है और रेटिंग में उतार-चढ़ाव होता रहता है, कट-ऑफ स्कोर वर्ष के अंत में तय किया जाता है। गुकेश इस समय सबसे आगे चल रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कैंडिडेट टूर्नामेंट का स्थान हासिल करना उनका अगला लक्ष्य है, गुकेश ने कहा, "देखते हैं, कौन जानता है कि क्या होगा। अभी, मेरा लक्ष्य सिर्फ अपने खेल में सुधार करना है और देखना है कि यह मुझे कहां ले जाता है।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप : मीराबाई पदक की दौड़ में नहीं, भारत के पदक जीतने की संभावना कम

रियाद, 3 सितंबर। एशियाई खेलों की टीम से बाहर किए गए भारोत्तोलक एन अजित और अचिंता श्युली खुद को साबित करने के इरादे से उतरेंगे जबकि मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक के अनिवार्य क्वालीफायर विश्व चैंपियनशिप में वजन कराने के बाद पदक की दौड़ में नहीं होंगी।

मीराबाई (49 किग्रा) ने सोमवार से शुरू हो रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है क्योंकि यह पूर्व चैंपियन इस महीने शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से विश्व चैंपियनशिप में वजन नहीं उठाएगी। पेरिस खेलों के लिए पात्रता हासिल करने के लिए वह सिर्फ जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करेंगी।

मीराबाई के वजन नहीं उठाने से भारत के पदक जीतने की उम्मीदों को झटका लगा है। उनकी गैरमौजूदगी में किसी भी भारतीय भारोत्तोलक को पदक के दावेदार माने जाने वाले ग्रुप ए क्लासीफिकेशन में जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट के लिए प्रवेश करते समय सबसे अधिक वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों को ग्रुप ए में रखा जाता है जबकि इसके बाद खिलाड़ी को ग्रुप बी, फिर ग्रुप सी आदि में जगह मिलती है।

अजित और श्युली को पिछले महीने एशियाई खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वे खेल मंत्रालय की चयन पात्रता को पूरा करने में नाकाम रहे थे। 73 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने वाले ये दोनों भारोत्तोलक यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं।

गत राष्ट्रीय चैंपियन अजित ने प्रतियोगिता में प्रवेश से पहले सर्वश्रेष्ठ प्रयास 305 किग्रा वजन उठाकर किया है और उन्हें ग्रुप सी में रखा गया है। राष्ट्रमंडल चैंपिनशिप के स्वर्ण पदक विजेता को हल्की चोटें लगी थी लेकिन इनसे उबरने के बाद उनकी नजरें 320 किग्रा वजन उठाने पर टिकी हैं।

अजित ने पीटीआई से कहा, "मैं ट्रेनिंग के दौरान 318 किग्रा वजन उठा रहा हूं। मैं 320 किग्रा तक पहुंचना चाहता हूं।" पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों का चैंपियन बनने के बाद से श्युली चोटों से जूझ रहे हैं। पिछली विश्व चैंपियनशिप के दौरान वह वार्मअप के समय पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए थे। कोलकाता का यह भारोत्तोलक अब भी पीठ में दर्द से परेशान है और यही कारण है कि प्रवेश के समय उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 280 किग्रा रहा है जो 313 किग्रा के उनके निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी कम है। उन्हें ग्रुप डी में जगह मिली है।

शुभम तोडकर (61 किग्रा) भारत के तीसरे पुरुष भारोत्तोलक हैं। महाराष्ट्र का यह खिलाड़ी हालांकि पिछली दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा, "विश्व चैंपियनशिप में मैं स्नैच में 125 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 155 किग्रा वजन उठाना चाहता हूं।"

ये तीनों ओलंपिक वजन वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं और पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए जरूरी रैंकिंग अंक जुटाने का प्रयास करेंगे। एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी लेकिन मीराबाई की तरह उनकी नजरें भी एशियाई खेलों पर हैं। इस 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को महिला 55 किग्रा वर्ग में ग्रुप सी में रखा गया है। यह गैर ओलंपिक वजन वर्ग है। पेरिस ओलंपिक 2024 के क्वालीफिकेशन नियमों के तहत 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दो टूर्नामेंट के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपयनशिप, 2023 ग्रां प्री एक, 2023 ग्रां प्री दो और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में से किन्हीं तीन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होगा।

अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) क्वालीफिकेशन समय पूरा करने के बाद प्रत्येक वजन वर्ग में (ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेटिंग) जारी करेगा। क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में भारोत्तोलक के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर अंतिम सूची तैयार होगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

महिला : मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा)

पुरुष : शुभम तोडकर (61 किठाा), अचिंता श्युली (73 किग्रा), एन अजित (73 किग्रा)

जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का निधन

नयी दिल्ली, 3 सितंबर। ज़िम्बाब्वे के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर हीथ स्ट्रीक का 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। हीथ की पत्नी नेडिन स्ट्रीक ने रविवार को इसकी पुष्टि की। नेडिन ने फेसबुक पर लिखा, "आज सुबह के शुरुआती घंटों में रविवार, तीन सितंबर 2023 को मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और मेरे खूबसूरत बच्चों के पिता को स्वर्गदूतों के पास ले जाया गया। वह अपने अंतिम दिन घर में परिवार और निकटतम प्रियजनों के साथ बिताना चाहते थे। वह प्रेम और शांति से सराबोर थे। हमारी आत्माएं अनंतकाल के लिये एक हो गई हैं स्ट्रीकी। हम फिर मिलेंगे।" साल 2000 से 2004 के बीच जिम्बाब्वे के कप्तान रहे स्ट्रीक ने अपने देश के लिये 65 टेस्ट और 189 एकदिवसीय मैच खेले। स्ट्रीक 100 टेस्ट विकेट लेने वाले ज़िम्बाब्वे के एकमात्र क्रिकेटर हैं और उन्होंने अपने 12 साल के करियर के दौरान अक्सर लड़खड़ाती गेंदबाजी इकाई को अकेले ही संभाला है। स्ट्रीक मुख्य रूप से अपनी तेज गेंदबाजी के लिये पहचाने जाते थे लेकिन उन्होंने अपनी टीम के मध्यक्रम में बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।